प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

पन्तनगर। 04 मार्च 2024। पन्तनगर विष्वविद्यालय एवं भारतीय कृषि अनुसंधान–भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उ.प्र.) के संयुक्त तत्वाधान में 'गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादनः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा की रीढ़' विषयक आज एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन अनुसंधान निदेषालय द्वारा गांधी हाल में किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पद्म भूषण डा. आर.एस. परोदा पूर्व महानिदेषक एवं सचिव डेयर, भारत सरकार; विषिष्ट अतिथि के रूप में पद्म श्री डा. राम चेत चौधरी सचिव पीआरडीएफ, गोरखपुर; डा. संजय कुमार निदेषक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ (उ.प्र.) उपस्थित थे। कायछर्मक्रम की अध्यक्षता कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पद्म भूषण डा. आर.एस. परोदा ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि विष्वविद्यालय में आना उनके लिए एक गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि किसानों की हालत सुधारने हेतु उच्चगुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराकर माननीय प्रधानमंत्री जी के वर्ष 2047 तक के विकसित देष के सपनों को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वे एक किसान है और किसानों की आवष्यकता से भली–भाति परिचित है। आज के युग में स्मार्ट फोन में किसानों की फसल संबंधित समस्याओं का समाधान उपलब्ध है।

संगोष्ठी में कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि शोध निदेषालय के वैज्ञानिक नयी–नयी प्रजातियों के गुणवत्तायुक्त बीज के विकास में लगे हुए है तथा पिछले वर्ष दलहन की 7 प्रजातियां विष्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गयी है। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से नवीन सोच एवं तकनीक अमल में लायी जायेगी, जिससे किसानों को गुणवत्तायुक्त स्वस्थ्य बीज प्राप्त हो सकेगा। विष्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी आगे चल कर देष का नेतृत्व करेंगे। पद्मश्री डा. राम चेत चौधरी एवं डा. संजय कुमार द्वारा विष्वविद्यालय में आगमन पर गौरवांवित महसूस किया और अपने विष्वविद्यालय से जुड़े हुए विद्यार्थी जीवन के बारे में बताया तथा अच्छी गुणवत्तायुक्त बीजों से जुड़े तथ्यों के बारे में अपने विचार रखे।

संगोष्ठी के प्रारम्भ में संगोष्ठी के संयोजक एवं निदेषक शोध डा. ए.एस. नैन ने सभी का स्वागत करते हुए संगोष्ठी की रूप–रेखा के बारे में बताया। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्षनी में लगभग 20 से अधिक विष्वविद्यालय के साथ संस्थाओं द्वारा बीज की गुणवत्ता हेतु नवाचार का प्रस्तुतिकरण किया, जिसका अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं से विष्वविद्यालय द्वारा एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। साथ ही वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। गांधी हाल के मुख्य द्वार पर विष्वविद्यालय की विभिन्न प्रजातियों की एक प्रदर्षनी भी लगायी गयी, जिसको अतिथियों द्वारा सराहा गया। संगोष्ठी में अतिथियों को शाल एवं कोट देकर सम्मानित किया गया। संगोष्ठी के अंत में आयोजन सचिव एवं संयुक्त निदेषक ना.ई.बो. फसल अनुसंधान केन्द्र डा. एस.के. वर्मा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। संगोष्ठी में डा. अजीत तोमर धानुका एग्रोटेक; डा. लक्ष्मीकांत निदेषक वीपीकेएस; डा. संजय कुमार निदेषक, बायोटेक हल्दी; कुलसचिव, विष्वविद्यालय के महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेषकगण, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

संगोष्ठी में संबोधित करते मुख्य अतिथि पद्म भूषण डा. आर.एस. परोदा।

संगोष्ठी में पुस्तको का विमोचन करते अतिथिगण।

संगोष्ठी में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

संगोष्ठी में एमओयू के साथ अतिथिगण।

निदेषक संचार